was then assessed at Rs. 19.56 crores with a rate of return of 3.22%. The project being of unremunerative nature could not be taken up.

(d) This will depend on results of survey and availability of resources in the coming years.

Proper maintenance of Rajdhani Express Trains

1238. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the proper maintenance of Rajdhani trains for Bombay and Howrah require immediate improvements on account of increasing number of complaints from the passengers;

(b) whether the general quality of food being served in the train has deteriorated with least care for cleanliness;

(c) whether other amenities in the train for passengers are not being taken care of by the administration despite series of complaints; and

(d) if so, the facts and details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K.C. LENKA) : (a) Some complaints were received regarding maintenance of Rajdhani Express and corrective action has already been taken.

(b) No Sir. However, as and when attention is drawn towards any deficiency in quality of service, immediate remedial action is taken. Besides, with a view to ensure satisfactory service, frequent as also special drives are conducted.

(c) No Sir.

(d) Does not arise.

पुणे स्टेशन पर रेलगाड़ी में विस्फोट

1239. **श्री राम नरेश यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 22 अप्रैल, 1993 के "जनसत्ता" के दिल्ली संस्करण में "पुणे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में जोरदार धमाका, छः मरे" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस बम विस्फोट के फलस्वरूप क्षतिग्रस्त रेल सम्पत्ति और घायल व्यक्तियों का ब्यौरा क्या है तथा उन्हें अनुग्रह राशि के रूप में कितना-कितना भुगतान किया गया है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी०लेंका)

(क) जी हां,

(ख) विस्फोट के कारण रेल संपत्ति का 4,08,723/– रुपये की क्षति हुई, सात व्यक्ति मारे गए थे और 29 व्यक्तियों को चोटें आई जिनमें 12 व्यक्तियों को गंभीर रूप से चोटें आई।

घायल यात्रियों और मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह राशि के रूप में 43,250 रुपये का भुगतान किया गया है।

ललितपुर-खजुराहो-सतना और रीवा-सिंगरौली रेल लाइनों का निर्माण

1240. **श्री अजीत जोगी :**

श्री मूलचन्द मीणा :

क्या रेल मंत्री यहबताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार क्षेत्रीय और पर्यटन संबंधी विकास को ध्यान में रखते हुए ललितपुर-खजुराहो-सतना और रीवा-सिंगरौली रेल लाइनों के निर्माण को स्वीकृति देने का विचार रखती है;

(ख) क्या मध्य-प्रदेश और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों ने उक्त रेल लाइनों के निर्माण के लिए रैल मंत्रालय को लिखा है; और

(ग) इन दोनों रेल लाइनों के संबंध में स्वीकृति कब तक दे दिए जाने की सम्भावना है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री(श्री के०सी०लेंका):

(क) बलितपुर-खजुराहो-सतना, खजुराहोमहोबा और रीवा-सिंगरौली (492 कि०मी०) के लिए सर्वेक्षण शुरू किया गया है,

(ख) जी हाँ,

(ग) सर्वेक्षण के परिणामों और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर आगे की कार्रवाई निर्भर करेगी ।

उत्तर रेलवे को उपलब्ध कराये गये माल डिब्बे

1241. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के लक्ष्यों की तुलना में उत्तर रेलवे को कितने माल डिब्बे उपलब्ध कराये गये तथा 1991 के अन्त तक उसके पास कितने माल डिब्बे उपलब्ध थे;

(ख) क्या उत्तर रेलवे में माल डिब्बों की संख्या में कमी आई है, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) उत्तर रेलवे द्वारा मरम्मत के लिए कुल कितने माल डिब्बे भेजे गये, कुल कितने माल डिब्बों की मरम्मत की गई और जून, 1992 तक की स्थिति के अनुसार कितने माल डिब्बे उपयोग के अनुपयुक्त घोषित किए गये; और

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान उत्तर रेलवे में माल डिब्बों और माल के यातायात के लक्ष्यों को पूरा करने के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) उत्तर रेलवे पर सातवीं पंचवर्षीय योजना तथा 1991 के अन्त में माल डिब्बों (चौपहिया यूनिटों के हिसाब से) की धारिता का दैनिक औसत लक्ष्य और वास्तविक धारिता नीचे दी गई है: —

सातवीं पंचवर्षीय योजना

आमान	लक्ष्य	धारिता
बड़ी लाइन	55640	55931
मीटर लाइन	8600	8986
1991 के अंत में (दिसम्बर, 1991)		
बड़ी लाइन	58000	59398
मीटर लाइन	7500	8751

(ख) मांग संतोषजनक ढंग से पूरी की जा रही हैं परन्तु कभी-कभी फुटकर मांग के लिये मालडिब्बों की मांग और सप्लाई के बीच अन्तराल आ जाता है,

(ग) जून, 1992 के दौरान की स्थिति इस प्रकार है: —

चौपहिया यूनिटों के हिसाब से	
भेजे गये माल डिब्बों की संख्या	2067
मरम्मत किये गए माल डिब्बों की संख्या	1804
नाकारा किए गए माल डिब्बों की संख्या	248

(घ) माल डिब्बों की खरीद की योजना समूची भारतीय रेलों के लिये बनाई जाती है, प्रत्येक रेलवे की जरूरतें इस सामान्य पूल से पूरी की जाती हैं । आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान बड़ी लाइन के 1,20,000 माल डिब्बों की खरीद करने की योजना है, बशर्ते कि धन उपलब्ध हो, मीटर लाइन के और माल डिब्बों की खरीद नहीं की जाएगी । उत्तर रेलवे तथा अन्य रेलों, जहां आमान परिवर्तन की योजना बनाई गई है, के मीटर लाइन के फालतू माल डिब्बे अतिरिक्त आवश्यकता पूरी करने के लिए उपलब्ध होंगे ।

Electrification of the Coastline Railway between Kharagpur and Vizag

1242. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for electrification of the Coastline Railway between Kharagpur and Vizag; and

(b) if so, what are the details thereof ?